Annex.-32

A.C.-03.08.2022
Appendix-130

UNIVERSITY OF DELHI

B.Sc. (Hons./Programme) Hindi

Ability Enhancement Course (AEC)

(SEMESTER-I)

based on

Undergraduate Curriculum Framework 2022 (UGCF)

(Effective from Academic Year 2022-23)

List of AEC Courses (Choose one from a pool)

S.No.	Course Title	Nature of Course	Total Credits	Components			Annexures (Contents of the Course and Reference is in)	Eligibility Criteria/ Prerequisite
				L	T	P		
1.	हिन्दी 'क' विज्ञान और हिंदी अथवा कोश विज्ञान	AEC	2				***Annexure-I***	Studied Hindi upto 12th
2.	हिन्दी 'ख' कंप्यूटर और हिंदी भाषा अथवा हिंदी भाषा दक्षता और तकनीक	AEC	2				***Annexure-II***	Studied Hindi upto 10th
3.	हिन्दी 'ग' भाषा सम्प्रेषण अथवा हिंदी भाषा और तकनीक	AEC	2				***Annexure-III***	Studied Hindi upto 08th

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 के अनुरूप

बी.एस. सी. ऑनर्स/प्रोग्राम हिंदी , पाठ्यक्रम -सत्र 2022 से जारी
योग्यता संवर्द्धक पाठ्यक्रम (AECC)

बी.एस. सी. (B.Sc.) हिंदी 'क' (उन विद्यार्थियों के लिए जिन्होंने 12 वीं कक्षा तक हिंदी पढ़ी है)

सेमेस्टर 1

1. विज्ञान और हिंदी

<u>अथवा</u>

कोश विज्ञान

बी.एस. सी. (B.Sc.) हिंदी 'ख' (उन विद्यार्थियों के लिए जिन्होंने 10 वीं कक्षा तक हिंदी पढ़ी है)

2. कम्प्यूटर और हिंदी भाषा

<u>अथवा</u>

हिंदी भाषा दक्षता और तकनीक

बी.एस. सी.(B.Sc.) हिंदी 'ग' (उन विद्यार्थियों के लिए जिन्होंने 8 वीं कक्षा तक हिंदी पढ़ी है)

3. भाषा सम्प्रेषण

<u>अथवा</u>

हिंदी भाषा और तकनीक

- भाषिक सम्प्रेषण के स्वरूप एवं सिद्धांतों से विद्यार्थी का परिचय कराना.
- सम्प्रेषण के विभिन्न माध्यमों की जानकारी देना.
- हिन्दी प्रयोग से जुड़े फील्ड वर्क आधारित विश्लेषण और लेखन पर बल देना.

शिक्षण-प्रशिक्षण से अर्जित ज्ञान (Course Learning Outcomes):

- भाषा के शुद्ध उच्चारण, रचनात्मक लेखन, औपचारिक लेखन तथा तकनीकी शब्दों से अवगत हो सकेगा.
- स्नातक स्तर के विद्यार्थी को भाषाई सम्प्रेषण की समझ और संभाषण से सम्बन्धित विभिन्न पक्षों से परिचित हो सकेगा.
- वार्तालाप, भाषण. पल्लवन, नाटक, पुस्तक समीक्षा, फिल्म समीक्षा, अनुवाद के माध्यम से अभिव्यक्ति कौशल का विकास हो सकेगा.
- समूह चर्चा, परियोजना के द्वारा आलोचनात्मक क्षमता का विकास किया जा सकेगा.

सेमेस्टर 1

बी.एस. सी.(B.Sc.) हिंदी 'क'

(उन विद्यार्थियों के लिए जिन्होंने 12 वीं कक्षा तक हिंदी पढ़ी है)

विज्ञान और हिंदी

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- विज्ञान और हिंदी भाषा के अन्त: संबंध का महत्त्व
- विज्ञान के क्षेत्र में हिंदी की उपयोगिता से विद्यार्थी का परिचय
- प्रोद्यौगिकी के क्षेत्र में हिंदी की उपयोगिता से विद्यार्थी का परिचय
- वैज्ञानिक और तकनीकी शब्दावली निर्माण की प्रक्रिया से विद्यार्थी का परिचय
- हिन्दी में विज्ञान प्रयोग से जुड़े क्षेत्रकार्य (फील्ड वर्क) आधारित विश्लेषण और लेखन पर बल

शिक्षण-प्रशिक्षण से अर्जित ज्ञान (Course Learning Outcomes) :

- स्नातक स्तर के विद्यार्थी को हिंदी भाषा में विज्ञान की उपलब्धियों से परिचित कराना
- हिंदी भाषा में वैज्ञानिक रचनात्मक लेखन, औपचारिक लेखन तथा तकनीकी लेखन को बढ़ावा देना
- हिंदी में विज्ञान आधारित पुस्तक समीक्षा, फिल्म समीक्षा को प्रोत्साहित करना
- विज्ञान कथाओं के माध्यम से अभिव्यक्ति कौशल का विकास
- समूह चर्चा, विज्ञान मेले के भ्रमण के बाद उन अनुभवों पर परियोजना के द्वारा आलोचनात्मक क्षमता का विकास

विज्ञान और हिंदी

इकाई 1. विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में हिंदी

- हिंदी भाषा : अर्थ और प्रकार
- विज्ञान के क्षेत्र में हिंदी की उपयोगिता
- प्रौद्यौगिकी के क्षेत्र में हिंदी की उपयोगिता

इकाई 2. हिंदी की संवैधानिक स्थिति और विज्ञान

- हिंदी की संवैधानिक स्थिति
- वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली आयोग का परिचय
- वैज्ञानिक और तकनीकी शब्दावली निर्माण की प्रक्रिया

-व्यावहारिक कार्य/ भाषा प्रयोगशाला/ क्षेत्रकार्य (फील्ड वर्क)

इकाई 3.

- वैज्ञानिक प्रयोग पर आधारित डायरी लेखन
- बाल साहित्य में विज्ञान (चकमक पत्रिका)
- किसी वैज्ञानिक की जीवनी/आत्मकथा/संस्मरण का अंश पाठ और अपने शब्दों में लेखन

इकाई 4 .

- विज्ञान की हिंदी की पत्र-पत्रिकाओं के भाषिक नमूनों का संकलन
- विज्ञान मेले का अनुभव लेखन
- रोचक शैक्षणिक यात्रा (वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली आयोग / नेहरु तारा मंडल/ विज्ञान संग्रहालय का अनुभव)

***इकाई 4 में दिए गए विषयों के आधार पर निर्मित फ़ाइल कार्य के विकल्प के रूप में परियोजना कार्य/ अनुवाद कार्य भी किया जा सकता है।**

***परियोजना कार्य : न्यूनतम 25 अधिकतम 50 पृष्ठों में विषय से सम्बद्ध शीर्षक पर ।**

***अनुवाद कार्य: लगभग 1000 शब्दों में विषय से सम्बद्ध सामग्री का हिंदी भाषा में अनुवाद।**

***फ़ाइल कार्य/ परियोजना कार्य/ अनुवाद का परीक्षण बाह्य परीक्षक द्वारा किया जाएगा।**

सहायक ग्रन्थ :

प्राचीन भारत के महान वैज्ञानिक - गुणाकर मूले

अंतरिक्ष विज्ञान की विकास यात्रा - भारत यायावर

विज्ञान का सहज बोध - जे. ब्रोनेव्सकी

विज्ञान नयी चुनौतियां -डी. बी. भट्टाचार्य

अल्बर्ट आइन्स्टाइन- मोहन थपलियाल

21 वीं सदी का विज्ञान- देवेन्द्र प्रसाद वर्मा

भारत के महान वैज्ञानिक - डॉ जाकिर अली रजनीश , उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान, लखनऊ

कुम्भ के मेले में मंगलवासी- डॉ अरविन्द मिश्र, नेशनल बुक ट्रस्ट, दिल्ली

कृष्ण विवर और अन्य विज्ञान कथाएं - जयंत विष्णु नार्लीकर, विज्ञान प्रसार, नोएडा

वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली आयोग की पत्रिका एवं पुस्तिका

चकमक बाल पत्रिका

ज्ञान-गरिमा सिन्धु पत्रिका (केन्द्रीय हिंदी निदेशालय)

शिक्षण - प्रशिक्षण प्रक्रिया Teaching Learning Process:

- इकाई 1- 2 सैद्धांतिक कक्षाओं के लिए
- इकाई 3-4 प्रायोगिक कक्षाओं के लिए

मूल्यांकन पद्धति (Assessment Method):

- कुल अंक: 50
- लिखित परीक्षा: 38 अंक
- आंतरिक मूल्यांकन/प्रायोगिक कार्य/परियोजना कार्य/अनुवाद : 12

अथवा (विकल्प)

बी.एस.सी.(B.Sc.) हिंदी 'क' सेमेस्टर 1

(उन विद्यार्थियों के लिए जिन्होंने 12 वीं कक्षा तक हिंदी पढ़ी है)

कोश विज्ञान

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- कोश विज्ञान के माध्यम से छात्रों में कोश सम्बन्धी जागरूकता
- कोश के विविध प्रकारों का ज्ञान प्राप्त करना
- विज्ञान के क्षेत्र में प्रचलित प्रमुख कोशों की जानकारी प्रदान करना
- छात्रों को कोश निर्माण की प्रक्रिया की जानकारी प्रदान करना

शिक्षण-प्रशिक्षण से अर्जित ज्ञान (Course Learning Outcomes):

- अनुवाद कार्य में कोश की उपयोगिता का ज्ञान
- छात्र स्वयं ई-कोश का निर्माण कर सकेंगे

- विज्ञान के छात्र कोश की जटिलता को दूर करने हेतु नये शब्द गढ़ने में रूचि लेंगे
- छात्रों की कोश सम्बन्धी अवधारणा में सकारात्मक बदलाव
- कोश की प्रविष्टियों के प्रति रोचकता

कोश विज्ञान

1. कोश विज्ञान : सामान्य परिचय

- अर्थ और परिभाषा
- कोश की उपयोगिता और महत्त्व
- हिंदी कोश के उपयोग के नियम

2. कोश के प्रकार

- विषय के आधार पर (भूगोल कोश, विज्ञान कोश, मनोवैज्ञानिक कोश)
- भाषा के आधार पर (एक भाषी, द्विभाषी, बहुभाषी)
- समांतर कोश और ई–कोश

-व्यावहारिक कार्य/ भाषा प्रयोगशाला/ क्षेत्रकार्य (फील्ड वर्क)

3.

- हिंदी के विभिन्न कोशों की सूची तैयार करना
- कोश निर्माण प्रक्रिया : परिचर्चा और प्रस्तुति
- प्रविष्टियां दर्ज़ करना और सूची बनाना

4.

- स्वर और व्यंजन के आधार पर शब्दों को क्रम में लगाने का अभ्यास

- ई-कोशों की सूची तैयार करना
- विज्ञान आधारित विषयों की शब्द-सूची तैयार करना (50 हिन्दी शब्द)

***इकाई 4 में दिए गए विषयों के आधार पर निर्मित फ़ाइल कार्य के विकल्प के रूप में परियोजना कार्य/ अनुवाद कार्य भी किया जा सकता है।**

***परियोजना कार्य : न्यूनतम 25 अधिकतम 50 पृष्ठों में विषय से सम्बद्ध शीर्षक पर ।**

***अनुवाद कार्य: लगभग 1000 शब्दों में विषय से सम्बद्ध सामग्री का हिंदी भाषा में अनुवाद।**

*फ़ाइल कार्य/ परियोजना कार्य/ अनुवाद का परीक्षण बाह्य परीक्षक द्वारा किया जाएगा।

सहायक ग्रन्थ:

कोश विज्ञान - भोलानाथ तिवारी

हिंदी कोश रचना , प्रकार और रूप - रामचन्द्र वर्मा

हिंदी कोश साहित्य- अचलानंद जखमोला

कोश विज्ञान : सिद्धांत एवं प्रयोग - राम आधार सिंह

कोश निर्माण : प्रविधि एवं प्रयोग - त्रिभुवननाथ शुक्ल

भारत में कोश विज्ञान पर विशेषांक - गवेषणा: अंक 93; जनवरी-मार्च 2009

शिक्षण - प्रशिक्षण प्रक्रिया Teaching Learning Process:

- **इकाई 1- 2 सैद्धांतिक कक्षाओं के लिए**
- **इकाई 3-4 प्रायोगिक कक्षाओं के लिए**

मूल्यांकन पद्धति (Assessment Method):

- **कुल अंक: 50**

- लिखित परीक्षा: 38 अंक
- आंतरिक मूल्यांकन/प्रायोगिक कार्य/परियोजना कार्य/अनुवाद : 12

सेमेस्टर 1

ANNEXURE-II

कम्प्यूटर और हिंदी भाषा

B.Sc. AECC (Hindi-B)

(उन विद्यार्थियों के लिए जिन्होंने हिंदी कक्षा 10 तक पढ़ी है)

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- कम्प्यूटर और हिंदी भाषा के अन्त: संबंध का महत्त्व
- कम्प्यूटर और हिंदी भाषा के स्वरूप एवं सिद्धांतों से विद्यार्थी का परिचय
- हिंदी में उपलब्ध विभिन्न ई-माध्यमों की जानकारी
- कम्प्यूटर और हिंदी भाषा के क्षेत्र में नई संभावनाओं की तलाश
- विद्यार्थी की भाषाई दक्षता और भाषा-कौशल को बढ़ावा देना
- भाषा प्रयोगशाला के माध्यम से प्रायोगिक कार्य को प्रोत्साहन देना
- हिन्दी प्रयोग से जुड़े फील्ड वर्क आधारित विश्लेषण और लेखन पर बल

शिक्षण-प्रशिक्षण से अर्जित ज्ञान (Course Learning Outcomes):

- स्नातक स्तर के विद्यार्थी को कम्प्यूटर और हिंदी भाषा की संभावनाओं और उपलब्धियों से परिचित कराना
- कम्प्यूटर से जुड़कर हिंदी भाषा के रचनात्मक लेखन, औपचारिक लेखन तथा तकनीकी लेखन को बढ़ावा देना
- वार्तालाप, भाषण. पल्लवन, नाटक, पुस्तक समीक्षा, फिल्म समीक्षा, अनुवाद के माध्यम से अभिव्यक्ति कौशल का विकास
- समूह चर्चा, परियोजना के द्वारा आलोचनात्मक क्षमता का विकास

B.Sc. AECC (Hindi-B)

सेमेस्टर 1

कम्प्यूटर और हिंदी भाषा

इकाई 1. कम्प्यूटर का विकास और हिंदी

- कम्प्यूटर का सामान्य परिचय
- कम्प्यूटर में हिंदी का आरंभ और विकास
- हिंदी के विविध फॉन्ट

इकाई 2 . हिंदी भाषा और प्रौद्योगिकी

- इंटरनेट पर हिंदी का महत्व
- यूनिकोड
- हिंदी की वेबसाइट्स

-व्यावहारिक कार्य/ भाषा प्रयोगशाला/ फील्ड वर्क

इकाई 3.

- इंटरनेट पर हिंदी भाषा में उपलब्ध विज्ञान की किन्हीं तीन पत्रिकाओं का सामान्य परिचय
- 'ई-गवर्नेंस और हिंदी' विषय पर परिचर्चा और लेखन
- हिंदी भाषा में विज्ञान संबंधित किन्हीं 3 वेबसाइट्स पर संक्षिप्त रिपोर्ट तैयार करना

इकाई 4.

- हिन्दी भाषा में पावर पॉइंट प्रस्तुति (भूमंडलीय ऊष्मीकरण/ भूमंडलीकरण आदि)
- हिन्दी भाषा में डॉक्यूमेंट्री बनाना और उसकी पटकथा तैयार करना(पर्यावरण संबंधी किसीएक विषय पर)
- हिन्दी भाषा में वेबसाइट बनाना (कचरा निस्तारण/कागज़ पुनर्चक्रण आदि विषय पर)

*इकाई 4 में दिए गए विषयों के आधार पर निर्मित फ़ाइल कार्य के विकल्प के रूप में परियोजना कार्य/ अनुवाद कार्य भी किया जा सकता है।

*परियोजना कार्य : न्यूनतम 25 अधिकतम 50 पृष्ठों में विषय से सम्बद्ध शीर्षक पर ।

*अनुवाद कार्य: लगभग 1000 शब्दों में विषय से सम्बद्ध सामग्री का हिंदी भाषा में अनुवाद।

*फ़ाइल कार्य/ परियोजना कार्य/ अनुवाद का परीक्षण बाह्य परीक्षक द्वारा किया जाएगा।

(कहानियाँ अथवा कविताएँ भारतीय भाषाओँ के NEP पाठ्यक्रम से ही ली जाएँगी)

सहायक पुस्तकें

1.कम्प्यूटर और हिंदी- हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, मध्यप्रदेश

2.कम्प्यूटर और भाषिक अनुप्रयोग- विजय कुमार मल्होत्रा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली

3.आधुनिक हिंदी: विविध आयाम - कृष्ण कुमार गोस्वामी, आलेख प्रकाशन, दिल्ली

4.आधुनिक जनसंचार और हिंदी- हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, मध्यप्रदेश

5.अनुवाद पत्रिका 2003 विशेषांक- भारतीय अनुवाद परिषद दिल्ली

6.भाषा विज्ञान प्रवेश एवं हिंदी भाषा– भोलानाथ तिवारी, किताबघर प्रकाशन, दिल्ली

7. हिंदी भाषा विकास और स्वरूप– कैलाश चंद्र भाटिया, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली

8.नए जनसंचार माध्यम और हिंदी– सं. सुधीश पचौरी, अचला शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

शिक्षण - प्रशिक्षण प्रक्रिया Teaching Learning Process:

- **इकाई 1- 2 सैद्धांतिक कक्षाओं के लिए**
- **इकाई 3-4 प्रायोगिक कक्षाओं के लिए**

मूल्यांकन पद्धति (Assessment Method):

- कुल अंक: 50
- लिखित परीक्षा: 38 अंक
- आंतरिक मूल्यांकन/प्रायोगिक कार्य/परियोजना कार्य/अनुवाद : 12

अथवा (**विकल्प**)

सेमेस्टर - 1

हिंदी भाषा दक्षता और तकनीक

B.Sc. AECC (Hindi-B)

(उन विद्यार्थियों के लिए जिन्होंने हिंदी कक्षा 10 तक पढ़ी है)

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- विद्यार्थी की भाषाई दक्षता और भाषा-कौशल को बढ़ावा देना
- भाषा प्रयोगशाला के माध्यम से प्रायोगिक कार्य को प्रोत्साहन देना
- हिंदी भाषा दक्षता और तकनीक के अंतः संबंध को रेखांकित करना
- प्रभावी सम्प्रेषण का महत्त्व
- भाषिक सम्प्रेषण के स्वरूप एवं सिद्धांतों से विद्यार्थी का परिचय
- विभिन्न माध्यमों की जानकारी
- हिन्दी प्रयोग से जुड़े फील्ड वर्क आधारित विश्लेषण और लेखन पर बल

शिक्षण-प्रशिक्षण से अर्जित ज्ञान (Course Learning Outcomes):

- भाषा के शुद्ध उच्चारण, रचनात्मक लेखन, औपचारिक लेखन तथा तकनीकी शब्दों से अवगत कराना
- स्नातक स्तर के विद्यार्थी को भाषाई सम्प्रेषण की समझ और संभाषण से सम्बन्धित विभिन्न पक्षों से अवगत कराना
- वार्तालाप, भाषण. पल्लवन, नाटक, पुस्तक समीक्षा, फिल्म समीक्षा, अनुवाद के माध्यम से अभिव्यक्ति कौशल का विकास
- समूह चर्चा, परियोजना के द्वारा आलोचनात्मक क्षमता का विकास

हिंदी भाषा दक्षता और तकनीक

इकाई 1. भाषा दक्षता का स्वरूप

•लिखित परीक्षा: 38 अंक

•आंतरिक मूल्यांकन/प्रायोगिक कार्य/परियोजना कार्य/अनुवाद : 12

सेमेस्टर 1

B.Sc AECC हिंदी 'ग'

(उन विद्यार्थियों के लिए जिन्होंने 8 वीं तक हिंदी पढ़ी है.)

भाषा सम्प्रेषण

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives)

1. भाषिक सम्प्रेषण के स्वरूप और सिद्धांतों से विद्यार्थियों को परिचित कराना।
2. सम्प्रेषण के विभिन्न माध्यमों की जानकारी देना ।
3. प्रभावी सम्प्रेषण का महत्व रेखांकित करना।
4. विद्यार्थी की भाषाई दक्षता और भाषा कौशल को बढ़ावा देना।
5. भाषा प्रयोगशाला के माध्यम से प्रायोगिक कार्य को महत्व देना ।

शिक्षण-प्रशिक्षण से अर्जित ज्ञान (Course Learning Outcome)

1. विद्यार्थी प्रभावी सम्प्रेषण के महत्व से परिचित हो सकेंगे और रोजगार के विभिन्न क्षेत्रों में अपनी सार्थक और सशक्त पहचान बना सकेंगे।
2. भाषा के रचनात्मक पक्ष से अवगत होंगे और उनके अभिव्यक्ति कौशल का विकास होगा।
3. परियोजना कार्य द्वारा आलोचनात्मक क्षमता का विकास होगा।

भाषा सम्प्रेषण

इकाई 1. संप्रेषण: अवधारणा और सिद्धांत

.सम्प्रेषण की अवधारणा और महत्व

. संम्प्रेषण की प्रक्रिया

. संप्रेषण की चुनौतियां

इकाई 2. संप्रेषण के प्रकार

. मौखिक और लिखित सम्प्रेषण

. वैयक्तिक और सामाजिक सम्प्रेषण

. प्रभावी सम्प्रेषण

इकाई 3. . **<u>व्यावहारिक कार्य/ भाषा प्रयोगशाला/ फील्ड वर्क</u>**

. अपठित अवतरण की व्याख्या और विश्लेषण, प्रश्नोत्तर, संक्षेपण , पल्लवन,

. औपचारिक और अनौपचारिक पत्र लेखन , स्ववृत लेखन

. वाद-विवाद और भाषण

. इकाई 4. . सर्वेक्षण आधारित रिपोर्ट तैयार करना

(संभावित विषय

. कोरोना और मानसिक स्वास्थ्य

. विज्ञान जागरूकता संबंधी अभियान

. कूड़ा निस्तारण योजना)

. अनुच्छेद लेखन, संवाद लेखन, डायरी लेखन

. विज्ञान आधारित फिल्म की समीक्षा (फिल्म परमाणु)

***इकाई 4 में दिए गए विषयों के आधार पर निर्मित फ़ाइल कार्य के विकल्प के रूप में परियोजना कार्य/ अनुवाद कार्य भी किया जा सकता है।**

***परियोजना कार्य : न्यूनतम 25 अधिकतम 50 पृष्ठों में विषय से सम्बद्ध शीर्षक पर ।**

***अनुवाद कार्य: लगभग 1000 शब्दों में विषय से सम्बद्ध सामग्री का हिंदी भाषा में अनुवाद।**

*फ़ाइल कार्य/ परियोजना कार्य/ अनुवाद का परीक्षण बाह्य परीक्षक द्वारा किया जाएगा।

सहायक ग्रंथ

1. हिन्दी का सामाजिक संदर्भ- रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, केंद्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा

2. संप्रेषण और सम्प्रेषणात्मक व्याकरण - विद्या निवास मिश्र, केंद्रीय हिन्दी संस्थान, संस्करण 1988

3. संप्रेषणः चिंतन और दक्षता- मंजु मुकुल, शिवालिक प्रकाशन, नई दिल्ली 2017

4. प्रायोगिक हिन्दी- संपादक रमेश गौतम, ओरियंट ब्लैकस्वान, संस्करण 2013

शिक्षण - प्रशिक्षण प्रक्रिया Teaching Learning Process:

•**इकाई 1- 2 सैद्धांतिक कक्षाओं के लिए**

•**इकाई 3-4 प्रायोगिक कक्षाओं के लिए**

मूल्यांकन पद्धति (Assessment Method):

•**कुल अंक: 50**

•**लिखित परीक्षा: 38 अंक**

•**आंतरिक मूल्यांकन/प्रायोगिक कार्य/परियोजना कार्य/अनुवाद : 12**

अथवा (विकल्प)

सेमेस्टर 1

B.Sc AECC हिंदी 'ग'

(उन विद्यार्थियों के लिए जिन्होंने 8 वीं तक हिंदी पढ़ी है.)

हिन्दी भाषा और तकनीक

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives)

1 विद्यार्थी को हिन्दी भाषा के अध्ययन में तकनीक की भूमिका से अवगत कराना।

2 कम्प्यूटर के प्रयोग से हिन्दी क्षेत्र में बढ़ते रोजगार के अवसरों से विद्यार्थी को परिचित कराना।

3 विद्यार्थी को हिन्दी के माध्यम से कम्प्यूटर की दुनिया से परिचित कराना।

शिक्षण-प्रशिक्षण से अर्जित ज्ञान (Course Learning Outcome)

1. हिन्दी के क्षेत्र में कम्प्यूटर के उपयोग से विद्यार्थी के लिए रोजगार के अनेक अवसर उपलब्ध हो सकेंगे।
2. विद्यार्थी व्यापक परिप्रेक्ष्य में कम्प्यूटर के उपयोग की संभावनाओं से परिचित हो सकेगा।

हिन्दी भाषा और तकनीक

इकाई 1. कम्प्यूटर और हिन्दीः

. कम्प्यूटर में हिन्दी का आरंभ और विकास

. देवनागरी लिपि और उसकी विशेषताएं

. यूनिकोड

इकाई 2. हिन्दी भाषा और प्रौद्योगिकीः

. ई-गवर्नेंस में हिन्दी का प्रयोग

. राजभाषा के प्रचार-प्रसार में कम्प्यूटर की भूमिका

. हिन्दी और वेब डिजाइनिंग

इकाई 3. . <u>व्यावहारिक कार्य/ भाषा प्रयोगशाला/ फील्ड वर्क</u>

. इंटरनेट पर हिन्दी की प्रमुख पत्रिकाओं की सूची बनाना

. हिन्दी की किसी एक प्रमुख वेबसाइट की भाषा का विश्लेषण करना

. कम्प्यूटर पर हिन्दी में स्ववृत ,एस.एम.एस. और संदेश लेखन

इकाई 4.

. राष्ट्रीय विज्ञान केंद्र का भ्रमण और उस पर रिपोर्ट लेखन

. मशीनी अनुवाद से संबंधित प्रमुख सॉफ्टवेयर की सूची बनाना और किसी एक पर विस्तृत रिपोर्ट लिखना

. समसामयिक विषयों(बाल श्रम, प्रदूषण, जल संचयन) पर पी.पी.टी. प्रस्तुति

***इकाई 4 में दिए गए विषयों के आधार पर निर्मित फ़ाइल कार्य के विकल्प के रूप में परियोजना कार्य/ अनुवाद कार्य भी किया जा सकता है।**

***परियोजना कार्य : न्यूनतम 25 अधिकतम 50 पृष्ठों में विषय से सम्बद्ध शीर्षक पर ।**

***अनुवाद कार्य: लगभग 1000 शब्दों में विषय से सम्बद्ध सामग्री का हिंदी भाषा में अनुवाद।**

***फ़ाइल कार्य/ परियोजना कार्य/ अनुवाद का परीक्षण बाह्य परीक्षक द्वारा किया जाएगा।**

सहायक ग्रंथ

1. कम्प्यूटर और हिन्दी- हरिमोहन,तक्षशिला प्रकाशन,नई दिल्ली, संस्करण 2015
2. हिन्दी भाषा और कम्प्यूटर- संतोष गोयल,नटराज प्रकाशन,दिल्ली, संस्करण 2021
3. आधुनिक हिन्दीः विविध आयाम- कृष्ण कुमार गोस्वामी, आलेख प्रकाशन,संस्करण 2018
4. हिन्दी भाषा- भोलानाथ तिवारी, किताब महल ,संस्करण 2016

शिक्षण - प्रशिक्षण प्रक्रिया Teaching Learning Process:

•इकाई 1- 2 सैद्धांतिक कक्षाओं के लिए

•इकाई 3-4 प्रायोगिक कक्षाओं के लिए

मूल्यांकन पद्धति (Assessment Method):

- कुल अंक: 50
- लिखित परीक्षा: 38 अंक
- आंतरिक मूल्यांकन/प्रायोगिक कार्य/परियोजना कार्य/अनुवाद : 12